

संक्षिप्त खबरें

**कुमकुम देवी ने बरकटा व चलकुशा
प्रखंड में चलाया जनसंपर्क अभियान**

बरकटा (हजारीबाग)। लोक हित अधिकार वार्टी की उम्मीदवार कुमकुम देवी ने बरकटा व चलकुशा प्रखंड क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाया। बरकटा विधानसभा क्षेत्र से विधायक प्रत्याशी कुमकुम देवी ने ग्राम मानग, सुदन, खारी, चौपी, खरगु, बैड़कलता जमुआ में लोगों से मिलकर अपने लिए एसमंथन मांगे। इस दौरान उन्होंने लोगों से चुनाव चिन्ह सेब छाप पर अपना कीमती वोट देकर अपने लिए आशीर्वाद मांगा। इस मौके पर वे भी पिछले 15 वर्षों में अपने लोगों से चुनाव चिन्ह खड़ी थीं। अपका आशीर्वाद मिला तो आप लोगों की समझाओं को दूर करने का काम करने। बैठक भ्रमण में साड़ समाज के नेता देवीलाल साव, बैजनाथ कुमार, राजकुमार साव, चंदन कुमार, राजेश प्रसाद, ज्ञान पाण्डेय, पंकज कुमार, किशोर साव, अवधेश चौधरी, महावीर प्रसाद, रोहित पंडित, राहुल पंडित समेत अन्य कई लोग शामिल रहे।

**झारखंड में फिर बनेगी इंडी गठबंधन
की सरकार : मल्लू**

बोकारो। तेलंगाना के उम्मीदवारी भट्टी विक्रमाक मल्लू ने भरोसा जताया है कि राज्य विधानसभा के आसन्न चुनाव में फिर से इंडी गठबंधन की सरकार बनेगी और सबके में मुख्यांगे हेमंत सोरेन नियम से तात्परा करने का लक्ष्य करिए हैं। बोकारो से कांग्रेस प्रत्याशी श्वेता के लिए बोकारो आए तेलंगाना के उम्मीदवारी ने कहा कि भाजपा चाहे कोई भी हथकड़ा अपना ले मार वह राज्य की सत्ता पर काबिज नहीं हो पायेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में सत्ता सीने हेमंत सोरेन की सरकार ने राज्य के दलितों की फिल्डों और आदिवासीओं के लिए जारी रखा। ऐसा वृत्त विकास के द्वारा कामी भी हो जाएगा। राज्य की आपांत्की महिलाओं के हक में किये जाने वाले योगदान से भी पूरे सबके में हेमंत सरकार की विश्वसनीयता बढ़ी है और लोग फिर से राज्य में महागठबंधन की सरकार चाह रहे हैं।

उन्होंने जारी किया कि राज्य में हाल में महागठबंधन की सरकार बोकारो और हम से जीत सामाजिक प्रत्याशी श्वेता सिंह की जीत की दावा की तथा विजय और कहा कि इस बार बोकारो सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी की जीत हो जाएगी।

**बोकारो जिले के चारों विधानसभा सीटों
पर, स्फूर्तीनी के बाद अब कुल 51 प्रत्याशी
चुनाव में आजमाएंगे अपनी किस्मत**

बोकारो। झारखंड विधान सभा के आसन्न चुनाव में बोकारो जिले के चारों विधानसभा सीटों पर जिन 76 उम्मीदवारों ने इन सीटों से अपनी उम्मीदवारी का प्रचार करने वाली उम्मीदवारों का परचा कल स्कूटीनी के बाद रह कर दिया गया। जिले के चारों विधानसभा सीटों से चुनाव में अपनी उम्मीदवारों की संख्या अब कुछ लोगों ने बढ़ावाले प्रत्याशी में इसे साजिश करा दिया। जबकि कहीं लोगों ने इसे अन्य लोगों ने उम्मीदवारों की सही चुनाव बताया जा रहा है कि फूल भूल मानते हुए रहने के बाद अपनी उम्मीदवारों को बुलाकर अपनी तैयारियों तेज कर दी है। वही अपनी अपनी जीत के दावे के साथ क्षेत्र भ्रमण में भी जुट गये हैं।

**बोकारो में धूमधाम से मना काली पूजा
और दीपावली का त्यौहार**

बोकारो। प्रकास पर्व दीपावली एवं काली पूजा का आयोजन कल यहाँ होगेलालस के साथ सम्पन्न हुआ। शहर के कोंप्रैटिव कौलीनी मोड़ सहित सेक्टर 2 एवं सेक्टर 8 रिस्ट काली बाड़ी में पंपरगांत तरीके से बंगाली समाज के लोगों ने मां काली की पूजा अचना की। वही शहरवासियों ने दीपावली के मौके पर अपने घरों में गणेश लक्ष्मी की पूजा के बाद जमकर आतिशाखी का तुक्र उठाया। इस बारे में अपनी अपने घरों की सजावती की थी। चारों तरफ दीपावली की रैमन के लोगों में जगत का उत्साह भर भर के उत्सवनिक और व्यवसायी प्रतिष्ठानों वर्षावाले लोगों से उत्सव चुनाव के लिए अपने घरों की सजावती की थी। चारों तरफ दीपावली की रैमन के लोगों में जगत का उत्साह भर दिया था। लोग सुबह से ही एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते और मिठाईयों खिलाते नजर आए। दूसरी ओर शहर भर के दुकानों में भी दीपावली को लेकर भारी भीड़ दिखी। खासकर गिराई और दीपक की दुकानों पर लोगों का भारी हजूम दिखा।

**सेंकड़ों लोगों ने कहा मेरा जिला परिषद
जिसको कहेगा हम लोग तोट उसी को ढेंगे**

राज्यीय अंजीम अपने सेवा कार्य के लिए एवं अपने घरों के लिए अपने घरों की सजावती की थी। चारों तरफ दीपावली की रैमन के लोगों में जगत का उत्साह भर दिया था। लोग सुबह से ही एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते और मिठाईयों खिलाते नजर आए। दूसरी ओर शहर भर के दुकानों में भी दीपावली को लेकर भारी भीड़ दिखी। खासकर गिराई और दीपक की दुकानों पर लोगों का भारी हजूम दिखा।

जिसको कहेगा हम लोग तोट उसी को ढेंगे

राज्यीय अंजीम अपने सेवा कार्य के लिए एवं अपने घरों की सजावती की थी। चारों तरफ दीपावली की रैमन के लोगों में जगत का उत्साह भर दिया था। लोग सुबह से ही एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते और मिठाईयों खिलाते नजर आए। दूसरी ओर शहर भर के दुकानों में भी दीपावली को लेकर भारी भीड़ दिखी। खासकर गिराई और दीपक की दुकानों पर लोगों का भारी हजूम दिखा।

जिसको कहेगा हम लोग तोट उसी को ढेंगे

राज्यीय अंजीम अपने सेवा कार्य के लिए एवं अपने घरों की सजावती की थी। चारों तरफ दीपावली की रैमन के लोगों में जगत का उत्साह भर दिया था। लोग सुबह से ही एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते और मिठाईयों खिलाते नजर आए। दूसरी ओर शहर भर के दुकानों में भी दीपावली को लेकर भारी भीड़ दिखी। खासकर गिराई और दीपक की दुकानों पर लोगों का भारी हजूम दिखा।

जिसको कहेगा हम लोग तोट उसी को ढेंगे

राज्यीय अंजीम अपने सेवा कार्य के लिए एवं अपने घरों की सजावती की थी। चारों तरफ दीपावली की रैमन के लोगों में जगत का उत्साह भर दिया था। लोग सुबह से ही एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते और मिठाईयों खिलाते नजर आए। दूसरी ओर शहर भर के दुकानों में भी दीपावली को लेकर भारी भीड़ दिखी। खासकर गिराई और दीपक की दुकानों पर लोगों का भारी हजूम दिखा।

जिसको कहेगा हम लोग तोट उसी को ढेंगे

राज्यीय अंजीम अपने सेवा कार्य के लिए एवं अपने घरों की सजावती की थी। चारों तरफ दीपावली की रैमन के लोगों में जगत का उत्साह भर दिया था। लोग सुबह से ही एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते और मिठाईयों खिलाते नजर आए। दूसरी ओर शहर भर के दुकानों में भी दीपावली को लेकर भारी भीड़ दिखी। खासकर गिराई और दीपक की दुकानों पर लोगों का भारी हजूम दिखा।

जिसको कहेगा हम लोग तोट उसी को ढेंगे

राज्यीय अंजीम अपने सेवा कार्य के लिए एवं अपने घरों की सजावती की थी। चारों तरफ दीपावली की रैमन के लोगों में जगत का उत्साह भर दिया था। लोग सुबह से ही एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते और मिठाईयों खिलाते नजर आए। दूसरी ओर शहर भर के दुकानों में भी दीपावली को लेकर भारी भीड़ दिखी। खासकर गिराई और दीपक की दुकानों पर लोगों का भारी हजूम दिखा।

जिसको कहेगा हम लोग तोट उसी को ढेंगे

राज्यीय अंजीम अपने सेवा कार्य के लिए एवं अपने घरों की सजावती की थी। चारों तरफ दीपावली की रैमन के लोगों में जगत का उत्साह भर दिया था। लोग सुबह से ही एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते और मिठाईयों खिलाते नजर आए। दूसरी ओर शहर भर के दुकानों में भी दीपावली को लेकर भारी भीड़ दिखी। खासकर गिराई और दीपक की दुकानों पर लोगों का भारी हजूम दिखा।

जिसको कहेगा हम लोग तोट उसी को ढेंगे

राज्यीय अंजीम अपने सेवा कार्य के लिए एवं अपने घरों की सजावती की थी। चारों तरफ दीपावली की रैमन के लोगों में जगत का उत्साह भर दिया था। लोग सुबह से ही एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते और मिठाईयों खिलाते नजर आए। दूसरी ओर शहर भर के दुकानों में भी दीपावली को लेकर भारी भीड़ दिखी। खासकर गिराई और दीपक की दुकानों पर लोगों का भारी हजूम दिखा।

जिसको कहेगा हम लोग तोट उसी को ढेंगे

राज्यीय अंजीम अपने सेवा कार्य के लिए एवं अपने घरों की सजावती की थी। चारों तरफ दीपावली की रैमन के लोगों में जगत का उत्साह भर दिया था। लोग सुबह से ही एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते और मिठाईयों खिलाते नजर आए। दूसरी ओर शहर भर के दुकानों में भी दीपावली को लेकर भारी भीड़ दिखी। खासकर गिराई और दीपक की दुकानों पर लोगों का भारी हजूम दिखा।

जिसको कहेगा हम लोग तोट उसी को ढेंगे

राज्यीय अंजीम अपने सेवा कार्य के लिए एवं अपने घरों की सजावती की थी। चारों तरफ दीपावली की रैमन के लोगों में जगत का उत्साह भर दिया था। लोग सुबह से ही एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते और मिठाईयों खिलाते नजर आए। दूसरी ओर शहर भर के दुकानों में भी दीपावली को लेकर भारी भीड़ दिखी। खासकर गिराई और दीपक की दुकानों पर लोगों का भारी हजूम दिखा।

जिस

ਸੰਖਿਤ ਖਬਰੋਂ

प्रयागराज में पहली बार महाकुंभ में
बनेगा एयर कॉरिडोर, मेला प्राधिकरण
ने बनाई व्यवस्था

प्रयागराज (ईएमएस)। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाने के लिए पहली बार मेला प्राधिकरण एयर कॉरिंडोर की साथ व्यवस्था बनाई है। महाकुंभ 2025 में देश और विदेश से आने वाले मेहमानों के साथ बीबीआईही गेस्ट्स के आने से आम श्रद्धालुओं को होने वाली दिक्कत से बचाने के लिए मेला प्राधिकरण तरफ से एयर कॉरिंडोर तैयार करने की प्लानिंग की जा रही है। इस बीबीआईही एयर कॉरिंडोर से पर्यटक एयर रूट से सीधे संगम पहुंच सकेंगे। फ्लाइट से आने वाले पर्यटक एयरपोर्ट पर उतारने के बाद हेलीकाप्टर से मेला क्षेत्र में पहुंचेंगे। इस सुविधा के लिए यमुना बैंक रोड पर स्थित बोट कलब में हेलीपोर्ट बनाने की तैयारी की जा रही है। जिससे पर्यटक एयरपोर्ट से हेलीकाप्टर से बहां पहुंचने के बाद स्टीमर के जरिए सीधे संगम जा सकें। इसके साथ ही अगर पर्यटक चाहे तो सीधे टेंट सिटी भी जा सकेंगे। इसके लिए कैब की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इस व्यवस्था का सुबह छह से शाम छह बजे तक संचालित करने की तैयारी की जा रही है। इसके साथ ही हेलीकाप्टर से आने वाले पर्यटकों को हेलीपोर्ट पर उतारने से हल्ले संगम का विहंगम दृश्य का भी दर्शन कराने की योजना बनायी जा रही है। इस विशेष सेवा को 10 जनवरी से शुरू करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। हालांकि मेला प्राधिकरण की तैयारी है कि इसकी शुरुआत दिसंबर के दूसरे सप्ताह में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम में कराने की है।

धंडुपाराया न निकाला रामायांग्रा, धार
राज्यों के कलाकार हुए शामिल

वाराणसा (इम्पेरियल) काशी म यदुवशा समाज के लागा न नावधन पूजा के बाद कृष्ण-बलराम की झांकी सहित शोभा यात्रा निकाली गई। काशी के लकड़ा मेला में यात्रा हथुआ मार्केट से शुरू हुई। शोभा यात्रा में चार राज्यों के कलाकार शामिल हुए। यात्रा के दौरान केसरिया साफा बांधे यादव बंधुओं ने परंपरागत मनरी कला (लटुबाजी) का प्रदर्शन किया। शोभायात्रा में योगेश्वर महाराज के जीवन लीलाओं से जुड़े हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। टोलियो में झारखण्ड, मध्य प्रदेश, बिहार, प्रतापगढ़, प्रयागराज, वृद्धबन के कलाकारों ने अपने अद्भुत कलाएँ दिखाई दी। योगेश्वर महाराज की शोभा यात्रा में तरह-तरह की वेशभूषा में लोग दिखे। नरमुंड और भालू के डेस पहनकर लोग यात्रा में शामिल हुए। कृष्ण-राथा बनकर रथ पर कलाकार बैठे दिखे। इस मौके पर महिलाएं एक ही तरह की साड़ी पहनकर नजर आईं।

**पटाख पंजाबीरा से पाव ट्रॉला पारा
जलकर राख, ग्रामीणों और दमकल ने
पाया आग पर काबू**

An illustration featuring a smartphone on the left and a laptop on the right. The laptop screen shows a magnifying glass focusing on a document with the word 'TAX' written on it. The background is light blue with some abstract shapes.

समाज में नफरत फैलाने की नीयत से काम कर रही थी कांग्रेस सरकार शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने साधा निशाना

जन्मनु (इन्हरेस)। यूनिवर्सिटी सरकार ने सज्जन का नियमित नियोग बना दिया है जिससे काम कर रही थी। यह बात राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कही। उन्होंने कहा कि गोधारा की घटना को लेकर विवादित किताबों के लिए पर्व कांग्रेस सरकार जिम्मेदार है। कांग्रेस सरकार समाज में वैनमस्य फैलाने की फिलतर से काम कर रही थी। मदन दिलावर ने कहा, समग्र शिक्षा राजस्थान द्वारा सरकारी स्कूलों की किताबों में ऐसी गई विवादित दो किताबें अदृश्य लोग लेखक हर्ष मंदर और जीवन बहार लेखक माधव गाडगिल के चयन को लेकर वर्तमान सरकार की विभूमिका नहीं है। इन दोनों किताबों का चयन पछली कांग्रेस सरकार द्वारा विभाग गया है। दिलावर ने कहा कि प्रदेश कि वर्तमान बीजेपी सरकार के कार्यक्रम में केवल दो किताबें जोड़ी गई हैं। इनमें पहली वैक्सीन की गाथा है। इसके लेखक सज्जन सिंह यादव है। जबकि दूसरी किताब राजस्थानी भाषा किताब चिड़ी को मोती लादीओ है। इन दोनों किताबों के साथ ही 99 किताबों को 29 सितंबर 2023 को तत्कालीन चयन कमेटी द्वारा चयनित की गई है। इसके अध्यक्ष तत्कालीन शिक्षा सचिव थे।

दीपावली पर जोधपुर-बीकानेर की हवा सबसे ज्यादा प्रदूषित एयर क्वालिटी इंडेक्स 500 पहुंचा

जयपुर (ईंग्लॅस)। दीपावली पर जोधपुर-बीकानेर की हवा सबसे ज्यादा प्रवृष्टि रही। यहां एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 500 पर पहुंच गया। हालांकि सुबह मौसम साफ रहने और तेज धूप रहने से प्रदूषण का स्तर घट गया। पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अनुसार, देर रात तक जयपुर, अजमेर, भरतपुर, उदयपुर, बीकानेर, जोधपुर समेत तमाम शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स लेवल 400 से 500 के बीच दर्ज हुआ। सुबह सबसे ज्यादा खराब एयर क्वालिटी दिल्ली एनसीआर और हाईयाणा से लगते शहरों सीकर, भरतपुर, भिवाड़ी, द्वारकानगर, बीकानेर, गोपालगढ़, जयपुर में रही। यहां सुबह तक एक्यूआई लेवल 200 से 350 के बीच रहा। दूसरे शहरों उदयपुर, भीलवाड़ा, राजसमंद, कोटा, अजमेर में एक्यूआई रात में रेड जॉन में रहा, लेकिन सुबह होने के साथ वापस 100 से 200 के बीच आ गया। जयपुर में एक्यूआई लेवल रात 12 बजे 376 रहा, जबकि सुबह 9 बजे 244 तक आ गया। जयपुर में ऐरिया वाइज देखें तो आर्द्ध नगर, राजापार्क, टांसपोर्ट नगर आ

के आसपास आज सुबह 9 बजे एक्यूआई लेवल 181, मानसरोवर, अजमेर-रोड, गोपालपुरा, पृथ्वीराज नगर के आसपास 270, सीतपुरा, वाटिका, प्रताप नगर, जगतपुरा एरिया में 323, मुरलीपुरा, झोटवाडा, कालवाड़ा रोड, निनावारू रोड के आसपास 289 और शास्त्री नगर, वीकेआई, विद्याधर नगर, अम्बाबाड़ी के आसपास 224 से ज्यादा एक्यूआई लेवल दर्ज हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार थुएं और प्रदूषण का लेवल बढ़ने का सबसे ज्यादा प्रभाव सांसारिक और दिल से जुड़ी बीमारी के मरीजों को होता है।

य हुए बदलावः अब 4 नहीं 2 माह पहल
करा सकेंगे ट्रेन टिकट की एडवांस बुकिंग
नई दिल्ली (ईंप्रेस)। 1 नवंबर से पांच बड़े बदलाव हो रहे हैं जो आपके
जीवन को प्रभावित करेंगे। अब आप रेलवे टिकट की एडवांस बुकिंग 60
दिन पहले से करा सकेंगे। पहले ये सुविधा 120 दिन पहले तक थी। वहीं 19
किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 62 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में
में अब ये 1802 रुपए में मिलेगा। इसके अलावा मैसेज ट्रेसेबिलिटी नियम
के तहत टेलीकॉम कंपनियां संदिग्ध या फर्जी नंबरों की पहचान करके उन्हें
तुरंत ब्लॉक करेंगी, जिससे इन नंबरों से यूर्जस तक मैसेज नहीं पहुंच सकेगा।
जेट फ्लाइ 2,992 रुपए तक महंगा होने से हवाई सफर महंगा हो सकता है।
घरेलू सिलेंडर की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है जबकि 1 नवंबर से 19
किलो वाला कॉमर्शियल सिलेंडर 62 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में
इसकी कीमत 62 रुपए बढ़कर 1802 रुपए हो गई। पहले ये 1740 रुपए
में मिल रहा था। कोलकाता में यह 61 रुपए बढ़कर 1911.50 रुपए में मिल
रहा है, पहले इसके दाम 1850.50 रुपए थे। मुंबई में सिलेंडर 16.92.50
रुपए से 62 रुपए बढ़कर 1754.50 रुपए का हो गया है। चेन्नई में सिलेंडर
1961.50 रुपए का मिल रहा है।

यूपी उपचुनाव में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू, राजनीतिक सरगमी तेज

A collage of five images featuring Indian political leaders. In the center is Mayawati, flanked by Akhilesh Yadav on the right and Kalyan Singh on the left. In the bottom corners are two circular portraits: one of Kalyan Singh on the left and another of Akhilesh Yadav on the right.



अक्टूबर में जाएसटा सग्रह 1,87,346 कराड़ रुपये के पार, लबालब हुई सरकार की तिजोरी

अमृत मिशन-2 का जल्द हरी झंडी मिलने की उम्मीद

त्योहारी संजन में भारत सरकार को जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि के रूप में एक बड़ी राहत मिली है। अक्टूबर 2024 में जीएसटी संग्रह 1,87,346 करोड़ रुपये के नए शीर्ष स्तर पर पहुंच गया, जो बीते वर्ष अक्टूबर के 1.72 लाख करोड़ की तुलना में करीब 9 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है। मोदी सरकार के लिए यह आंकड़ा देश की अर्थव्यवस्था में तेजी और त्योहारी मांग में वृद्धि का स्पष्ट संकेत है। रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर मह में सीजीएसटी (केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर) संग्रह 33,821 करोड़ रुपये, एसजीएसटी (राज्य वस्तु एवं सेवा कर) संग्रह 41,864 करोड़ रुपये, आईजीएसटी (एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर) संग्रह 54,878



11,688 करोड़ रुपये जुटाए गए। इस माह के कुल राजस्व में 10.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जिससे देश के आर्थिक स्वास्थ्य में सुधार की उम्मीदें बढ़ी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अक्टूबर में त्यौहारी सीजन के कारण बाजार में उपभोक्ता गतिविधियों में तेजी आई, इससे देश बढ़ी और जीएसटी संग्रह में जोरदार उछाल देखने को मिला। इस माह में इंपोर्ट्स से भी आईजीएसटी में 44,233 करोड़ और सेस में 862 करोड़ रुपये का योगदान हुआ, जिससे विदेशी व्यापार में सुधार की भी पुष्टि होती है। केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी रिफंड में भी इस साल

एलजा मनाज सन्हा न एनसा-काग्रस पर लगाए दोहरा चरित्र अपनाने के आरोप जमू-कश्मीर यूनियन ट्रैटरी के स्थापना दिवस पर बहिष्कार का मामला

जम्मू (ईंग्रेज राज)। जम्मू-कश्मीर ट्रेटरी नहीं मानते हैं। जम्मू-कश्मीर दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे।

इंजिन नमोज स्लिंग न पराना कार्फेस और कांग्रेस पर दोहरा चरित्र अपनाने का आरोप लगाया है। एलजी ने कहा कि पहले एनसी-कांग्रेस ने संविधान की शपथ ली और अब जम्मू-कश्मीर यूनियन टैरेटरी के 5वें स्थापना दिवस का विरोध कर रहे हैं। बता दें कि यूनियन टैरेटरी के 5वें स्थापना दिवस पर गुरुवार को श्रीनगर में ऑफिशियल इवेंट आयोजित किया गया, जिसमें सत्ताधारी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के विधायकों ने बहिष्कार किया। कांग्रेस और NC ने कहा कि वे जम्मू-कश्मीर को यूनियन का जल्दी से जल्दी स्टॉचुड नियन्त्रण चाहिए। इसे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा दोनों पार्टियों का दोहरा चरित्र बताया है। एलजी ने कहा कि कांग्रेस और एनसी के नेताओं ने जम्मू-कश्मीर यूटी के विधायकों के रूप में संविधान की शपथ ली है। फिर वे ऑफिशियल इवेंट का बहिष्कार कैसे कर सकते हैं। एक तरफ वे शपथ लेकर विधायक बने, दूसरी तरफ आधिकारिक कार्यक्रम का बहिष्कार कर रहे हैं। यह इनका दोहरा चरित्र दर्शाता है। दरअसल, 2019 में अनुच्छेद 370 और 35A हटाते समय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख सरकार न उस समय ही राज्य का हालात सामान्य होने पर पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का भरोसा नहीं दिया था। हालिया राज्य विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने इसे दोहराया था। स्थापना दिवस पर सीएम उमदास अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लंबे समय तक केंद्र शासित प्रदेश नहीं रहेगा। हम अपना राज्य का दर्जा बापस लेंगे। हम बिजली, सड़क, पानी और रोजगार की जरूरतों को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं। अगर हमारी पहचान कुछ नहीं है, तो इन विकास कार्यों का कोई मतलब नहीं है।

2024 में कुल 19,306 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया, जबकि पिछले वर्ष के अक्टूबर माह में यह राशि 16,335 करोड़ रुपये थी। यह 18.2 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है, जो रिफंड प्रक्रियाओं में तेजी और पारदर्शिता को उजागर करता है विशेषज्ञों का मानना है कि रिफंड में बढ़ोतरी से व्यापारियों और उद्यमियों को राहत मिलेगी और यह व्यापार के लिए अनुकूल माहौल बनाएगा। अक्टूबर में 1.87 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड कलेक्शन एक महत्वपूर्ण मील का पथर है, जो भारत के आर्थिक सुधार की दिशा में बढ़ते कदमों को दर्शाता है। त्याहारी सीजन के बाद भी यह वृद्धि कायम रहती है या नहीं, यह आगामी महीनों के संग्रह आंकड़ों पर निर्भर करेगा।

मिशन 2.0 का जल्द हरी झड़ी मिल सकती है। योजना के तहत करीब 186 करोड़ रुपए के होने वाले विभिन्न कार्यों की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) फाइनल हो गई है। अब विभाग की तकनीकी कमेटी से इसे हरी झड़ी मिलने का इंतजार है। बीते कुछ समय में डीपीआर में बदलाव हो रहे थे। मुख्य अभियंता ने डीपीआर को फाइनल कर दिया। इसे अब स्वीकृति के लिए विभाग की तकनीकी कमेटी को भेजा गया है। बताया जा रहा है कि जल्द इसे स्वीकृति मिलेगी। मिशन के तहत होने वाले विविध कार्यों की निविदाएं आमत्रित की जाएगी। डीपीआर में पूर्व में कुल 11 टंकियां थी। इसमें पंचशील ए ब्लॉक, गणेश गुवाड़ी, छतरी योजना, रातिंडांग, ज्ञान विहार

झापड़ा म सा रह त्याक्त की गोली मारकर हत्या

रामपुर थाना क्षेत्र के पचरुखी गांव में झोपड़ी में से रहे 45 वर्षीय रामजीत पटेल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक व्यक्ति रामपुर परियत मार्ग पर गाड़ी धुलाई का कार्य करता था और वहीं झोपड़ी बनाकर सोता था। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी समेत भारी पुलिस बल मौके पहुंचा। शव को कब्जे में लेने के दौरान पुलिस और परिजनों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पचरुखी गांव निवासी रामजीत पटेल की संदिग्ध परिस्थितियों में अज्ञात लोगों ने कनपटी पर गोली मारकर हत्या पल्ली चंद्रावती भी प्रतिदिन सोती थी। दीपावली की रात भी वह पल्ली के साथ सोया था। बीती रात करीब 3 बजे पल्ली उठकर घटनास्थल से 50 मीटर दूर नित्य क्रिया के लिए पुश्टैनी घर चली गई थी। थोड़ी देर बाद जब वह घर वापस आई तो जिस चारपाई पर पति सोया था उसकी कनपटी पर गोली लगी हुई थी और खून निकल रहा था। पल्ली घटना देखकर घबरा गई और वह परिजनों को बताने के लिए बापस घर चली गई। घर से सभी परिजन मौके पर पहुंचे। इसी बीच किसी ने घटना को सूचना पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंची रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचवाया जहां पर डॉक्टर ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। परिवार का आरोप है कि पुलिस ने युवक को गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल लेकर जाने की बात कही थी, लेकिन परिजनों को एक बाहन में बैठकर युवक के शव को माँचुरी हाउस पहुंचा दिया। घटना को लेकर परिजनों में कोहरा मच गया। पुलिस की माने दीपावली के दिन किसी बाहन स्वामी से धुलाई को लेकर कहा सुनी हो गई थी। आशंका है कि इसी बात को लेकर युवक की हत्या की गई है।

**आरएसएस प्रमुख की मथुरा में योगी से मुलाकात
पिछड़े समुदायों को कुंभ में शामिल कराने की योजना**

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

भारतीय नीति की छाया का पीछा करता पाकिस्तान

यह ता सहा ह क पाकस्तान आर हिस्तान भागालक तार पर हा नहा बल्कि अचार-विचार, खान-पान और रहन-सहन के लिहाज से भी एक-दूसरे से जुड़ते हैं। बस फर्क जो है वो यह कि पाकिस्तान नफरतों के धरातल पर खड़ा हुआ, जबकि भारत अहिंसा के साथ ही शांति-सद्द्वाव, प्रेम, सहिष्णुता, भाईचारा और विश्वबन्धुत्व के सिद्धांतों पर बना है। यहां सदा से ही लोकतंत्र के वृक्ष को सींचा गया, जबकि पाकिस्तान में समय-समय पर सेना ने इसे बूटों के तले कुचलने से भी परहेज नहीं किया। नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान में आतंकवादियों का पालन-पोषण आसानी से होता रहा, जबकि आतंकवाद के खिलाफ हिन्दुस्तान लगातार संघर्ष करता रहा है। बावजूद इसके अब ऐसा प्रतीत हो रहा है कि पाकिस्तान भारतीय आत्मनिर्भरता की नीति की छाया का पीछा कर रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पाकिस्तान ने हाल ही में शाईलैंड के साथ एक महत्वपूर्ण आर्म्स डील की है, जिसमें बख्तरबंद वाहनों की आपूर्ति भी शामिल है। यह सौदा पाकिस्तान की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने का एक प्रयास है। अब चौंकि भारत आजादी के बाद से ही आत्मनिर्भरता की नीति को अपनाए हुए हैं और जब से नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने हैं तब से उन्होंने रक्षा क्षेत्र को सशक्त करने के लिए कई अहम फैसले लिए और सार्थक कदम भी बढ़ाए हैं। ऐसे ही फैसलों में जहां विदेशी हथियारों की खरीद है तो वहीं स्वदेशी हथियारों के निर्माण की क्षमता को बढ़ाने के सफल कदम भी शामिल है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की सेना ने थाईलैंड की डिफेंस इंडस्ट्री कंपनी टिमिटेड के साथ इस डील पर हस्ताक्षर किए हैं। यहां बताते चर्चते कि यह डील 18 सितंबर को इस्लामाबाद में हुई थी, जिसे गोपनीय रखा गया, जिससे इसकी जानकारी बहुत ही कम लोगों को मिली थी। अब बताया जा रहा है कि इस समझौते के तहत, टीडीआई बख्तरबंद वाहनों की आपूर्ति पाकिस्तान की रक्षा कंपनी हैवी इंडस्ट्रीज टैक्सिला को करेगी। टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के प्रावधान ने इस डील को और महत्वपूर्ण बना दिया है, जिससे एचआईटी को आधुनिक बख्तरबंद वाहनों का उत्पादन करने में मदद भी मिलेगी। मौजूदा वक्त में दुनिया के जिस तरह के हालात बन गए हैं, उसमें पाकिस्तान का यह कदम बहुत मायने रखता है। इस नई डील के साथ, पाकिस्तान अपने रक्षा उद्योग को और मजबूत करने की कोशिश कर रहा है, जिससे रक्षा क्षेत्र में उसे महत्वपूर्ण शक्ति बनने की दिशा में बेहतर कदम साबित हो सकता है। दूसरी तरफ पाकिस्तान का यह कदम भारत के लिए चेतावनी भी हो सकती है। दरअसल हाल के वर्षों में,

پاکستان نے اپنے رکھا ڈیوگ کے بढ़انے کے لिए انेक देशों के साथ سहयोग بढ़ाया है, जिससे उसकी सैन्य क्षमताएं और भी विकसित हो रही हैं। پاکستان की इस आम्स डील के संदर्भ में, यह स्पष्ट हो गया है कि दक्षिण एशिया में सुरक्षा का माहौल और अधिक प्रतिस्पर्धात्मक होता जा रहा है। यह डील न केवल पाकستان के लिए एक नई दिशा प्रदान करती है। पाकستان की इस डील से चिंता की बात इसलिए नहीं है, क्योंकि भारत ने पिछले चार दशकों में अपने रक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए कई पहल किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप भारत आयातक से आगे बढ़ा है और अब भारत का रक्षा निर्यात कई गुना बढ़ गया है। इस प्रकार भारत ने आत्मनिर्भरता की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं, जिसकी देखा-देखी पाकستان भी इस राह पर चलने का प्रयास करता नजर आ रहा है। कहना गलत नहीं होगा कि भारत की वैश्विक रक्षा क्षमताएं काफी मजबूत हुई हैं। इसके बिपरीत, पाकستان अपनी सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए वाईटैंड जैसे देशों के साथ समझौतों की ओर बढ़ रहा है। इस प्रतियोगिता बढ़ेगी और संतुलन बनाने के लिए आत्मनिर्भरता नीति को और ज्यादा प्रभावी बनाने पर कार्य भी करना होगा। भारत को अपने रक्षा क्षेत्र में सुधार करने की आवश्यकता पहले भी थी और अब कुछ ज्यादा हो गई है। सीमाओं की रक्षा के लिए रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना और दक्षिण एशियाई क्षेत्र में शांति व स्थिरता बनाए रखने के लिए भी यह जरूरी हो गया है।

मिलावटखारा का फासा का सजा से रुकेगी मिलावटखोरी

जाजकल तेहारा का सीजन जारी पर हो मुनाफा के कानां के दफ्कर मिलावटखोर बेखौफ होकर नकली मिठाई बेच रहे हैं प्रशासन मिलावट करने वालों पर शिकंजा कस रहा है देश में नकली व मिलावटी मिठाईया बिक रही हैं और लाखों विटंपल मिठाईयां बन रही हैं और बाजारों में पहुंच रही हैं मिठाईयों की गुणवत्ता परखी जा रही है और बड़े पैमाने पर मिलावट भरी मिठाईयों जब्त की जा रही है। मिलावटखोरों कुछ तो रहम कीजिये मानव के स्वास्थ्य से खिलवाड़ मत कीजिये। त्योहारी सीजन दिवाली, भैया दूज, धनतेरस में मिलावटखोर मुनाफा कमाने के चक्कर में घटिया किस्म की मिठाईयां बेचने से बाज नहीं आ रहे हैं। पंजाब, दिल्ली, हिमाचल, में नकली मिठाई पकड़ी जा रही है। प्रतिदिन प्रशासन छापेमारी कर रहा है और मिलावट करने वालों पर शिकंजा कसा रहा है लेकिन यह मिलावट करने वाले सुधर नहीं रहे हैं। प्रतिदिन लोग पकड़े जा रहे हैं और नकली उत्पादों से बनी नकली मिठाई नस्त की जा रही है। मिठाईयों में कॉकरोच मिल रहे हैं तो कहीं और जीव जंतु मिल रहे हैं। मिठाईयों में रंग मिलाया जा रहा है। ऐसी जहर बनाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई करनी चाहिए इनके लाइसेंस रद्द करने चाहिए। देश में जहरयुक्त मिठाई बेचीं जा रही है। कैसी विडंबना है की मिलावट करने वाले किसी की जान लेने से भी नहीं डरते हैं और खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं। त्योहारी सीजन में नकली दूध, पनीर, मावा से मिठाईया बनाई जा रही है। मिलावट का यह धंशा खूब फल्गुल रहा है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 में सजा व जुर्माना दोनों का प्रावधान है। वही आई पी सी की धारा 272 एवं 273 के अंतर्गत पुलिस प्रशासन को सीधे कार्रवाई की छूट है। नकली दूध बेचा जा रहा है जिससे लाईलाज बीमारिया हो रही है लोग कैसर से ग्रस्त हो रहे हैं। मिलावट करने वाले चंद चांदी के सिक्कों के लिए यमराज बन गए हैं। प्रतिवर्ष पता नहीं कितने लोग इन मिलावटखोरों की वजह से मरे जा रहे हैं। ऐसे लोगों को सजा ए मौत देनी चाहिए जो लालच में मौत बाँट रहे हैं। नकली दूध से नवजात बच्चे बीमार हो रहे हैं और मरे जा रहे हैं। अधिकर इंसान किस ओर जा रहा है जो इसानों की जान ले रहा है। ऐसे लोगों को फांसी की सजा देनी चाहिए ताकि फिर कोई ऐसा जुर्म न कर सके। प्रशासन अगर सक्रिय रहे तो लोगों की जान बच सके। यह बहुत ही धिनौना जुर्म है। ऐसे लोगों को हवालातों में डाला जाये और उन्नकेदी की सजा दी जाये। काल कोठरी में डाला जाये ताकि तिल तिल मर सके और मौत की भीख मांगे और ताउप्र अपने कर्मों को भुगत सके। खाद्य विभाग को जागरूकता शिविर लगाने चाहिए तथा समाज के लोगों को इन मिलावट करने वालों की मिठाई का बहिस्कार करना चाहिए। यह देश हित में है। देश में हर वर्ष लाखों विटंपल मिलावटी मिठाई पकड़ी जाती है जिसे खाद्य विभाग के अधिकारी नस्त कर देते हैं। मिलावट के मुख्य सरगनाओं को सार्वजनिक स्थानों पर सजा देनी चाहिए खाद्य मंत्रालय को अपना अभियान पूरा वर्ष जारी रखना चाहिए ताकि इन पर शिकंजा कसा रहे और मिलावट का यह काला धंधा पूरी तरह खत्म हो सके। ताकि गैर कानूनी कारोबार करने वाले लोग बेनकाब हो सकें। खाद्य विभाग की सक्रियता से इन मिलावटखोर माफिया के लोगों को पकड़ा होगा तभी इस पर पूर्ण रोक लग सकती है। समाज के लोगों को भी इस अभियान में सहयोग करना होगा ताकि इन मिलावट के माफियों का सामाज्य खत्म किया जा सके। अभी समय है फिर पछताने कि सिवाय कुछ नहीं होगा। मिलावट माफिया का सफाया करना होगा ताकि विश्व गुरु की साख पर दाग न लग सके। देश में फैलते मिलावट माफिया के लोगों के इस जाल को काटना समय की पुकार है यदि लोगों ने कोई कदम न उठाए तो भारत में चरस माफिया की जड़ें इतनी फैल जाएंगी कि इन्हे काटना बेहद मुश्किल हो जाएगा। अगर अब भी लापरवाही बरती तो यह कारोबार निर्बाध चलता रहेगा। मिलावट करने वालों नागों का फन कुचलना होगा। ऐसे आपरेशन होते रहने चाहिए। मिलावटखोरों पर सर्जिकल स्ट्राइक की जानी चाहिए तभी इस पर पूर्ण रोक लग सकती है।

**गोवर्धन पूजा के दिन भगवान् श्री कृष्ण
के लिए तैयार होते हैं 56 प्रकार के भोग!**

डा श्रीगोपाल नारसन



जागे उन्होंना आया क्या वाजना बड़ा हूँ
 आप मुझे काशी कैसे ले जाएंगे? तब
 पुलस्त्य ऋषि ने कहा कि मैं अपने तपोबल
 से तुम्हें अपनी हथेली पर उठाकर ले
 जाऊंगा। तब गोवर्धन पर्वत ऋषि के साथ
 चलने के लिए सहमत हो गए।
 रास्ते में ब्रज आया, उसे देखकर गोवर्धन
 सोचने लगे कि भगवान् श्रीकृष्ण-राधा
 जी के साथ यहां आकर बाल्यकाल और
 किशोर काल की बहुत सी लीलाएं करेंगे।
 तब उनके मन में यह विचार आया कि वह

पहले स्तर पर जाएँ। पहले स्तर पर जाकर नियम पूर्ण
पुलस्त्य ऋषि के हाथों में और अधिक भारी
हो गया।

जिससे ऋषि को विश्राम करने की
आवश्यकता महसूस हुई। ऋषि गोवर्धन
पर्वत को ब्रज में रखकर विश्राम करने
लगे। ऋषि ये बात भूल गए थे कि उन्हें
गोवर्धन पर्वत को कहीं रखना नहीं था,
कुछ देर बाद ऋषि पर्वत को फिर से उठाने
लगे लेकिन गोवर्धन ने कहा कि ऋषिवर
अब मैं यहां से कहीं नहीं जा सकता। मैंने

◆ ◆ ◆

जाना पसंद हो यह कहा है कि वे इन जानकारियों की स्थापित हो जाऊँगे। तब पुलस्ट्य उसे ले जाने की हट करने लगे, लेकिन गोवर्धन वहां से नहीं हिले। तब ऋषि ने क्रोधित हाकर उसे श्राप दिया कि तुमने मेरे मनोरथ को पूर्ण नहीं होने दिया। इसलिए आज से प्रतिदिन तिल-तिल कर तुम्हारा क्षरण होता जाएगा। फिर एक दिन तुम धरती में समाहित हो जाओगे। तभी से गोवर्धन पर्वत तिल-तिल करके धरती में समा रहा है। ३० कृष्णाय वासुदेवाय हरये

परमात्मने ॥ प्रणतः क्लेशनाशाय गोविंदाय
नमो नमः ॥ यह मंत्र है श्री गोवर्धन पूजा
का गोवर्धन पूजा के दिन

सुख नापवन पूजा का दिन
सुख स्नान करने के बाद गाय के गोबर
से गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाकर
उसे फूलों से सजाना चाहिए। गोवर्धन
पर्वत के पास ग्वाल- बाल की आकृति
बनाकर उसके पास ही भगवान श्री कृष्ण
की मूर्ति रखनी चाहिए। गोवर्धन पूजा के
समय भगवान श्रीकृष्ण को धूप ,दीप से
आरती करें और उन्हें अन्नकूट का भोग
लगाएं। गोवर्धन पूजा को लेकर वृद्धावन,
मथुरा, बरसाना, गौकुल के लोगों में एक
अलग ही उत्साह देखने को मिलता है। इस
पर्व का प्रक्रिति के साथ सीधा सम्बन्ध
है। गोवर्धन पूजा में गोधन अर्थात् गायों की
पूजा की जाती है। शास्त्रों में बताया गया
है कि गाय उसी प्रकार पवित्र होती है जैसे
नदियों में गंगा है। गाय को देवी लक्ष्मी का
स्वरूप भी कहा गया है। देवी लक्ष्मी जिस
प्रकार सुख समृद्धि प्रदान करती हैं, उसी
प्रकार गौ माता भी अपने दृथ से स्वास्थ्य
रूपी धन प्रदान करती है। गौ सम्पूर्ण मानव
जाति के लिए पूजनीय है। गौ के प्रति श्रद्धा
प्रकट करने के लिए पूजनीय है। गौ की कार्तिक शुक्ल पक्ष
प्रतिपदा के दिन गोवर्धन की पूजा की जाती
है। गोवर्धन पूजा पर, भगवान कृष्ण को
गौहूं, चावल, बेसन से बनी सब्जी और
पत्तदार सब्जियों का भोग लगाया जाता है।
दही, दूध, शहद, चीनी, मेवा और तुलसी
से बना पंचामृत भगवान कृष्ण को चढ़ाया
जाता है कई प्रकार की सब्जियों से तैयार
अन्नकूट सब्जी भी भगवान कृष्ण के लिए
बनाई जाती है।

बंटेगे तो कटेगे काइ नारा नहाँ, सत्याइ है

CHICK-PI

श्री दत्तात्रेय होसबोले ने हिन्दू समुदाय को जाति और विचारधारा के आधार पर विभाजित करने के प्रयासों के खिलाफ लोगों को आगाह करते हुए समाज और लोक कल्याण के लिए 'हिन्दू एकता' के महत्व पर भी जोर दिया है। अपने को बचाये रखने एवं दूसरों के मंगल के लिये हिन्दू एकता वर्तमान की बड़ी अपेक्षा है, इसलिये उन्होंने अपना विस्तृत दृष्टिकोण पेश करते हुए न केवल हिन्दू शब्द का विराध करने वालों पर करारा प्रहार किया है, बल्कि देश में आरजकता का माहौल पैदा करने वाले मुस्लिम संगठनों पर भी सीधी चोट की है। विशेषतः नफरती एवं विघ्नकारी सोच के लिये राहुल गांधी पर भी कड़ा प्रहार किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बंटोगे तो कटोगे' बयान का समर्थन करते हुए कहा कि वर्तमान हालात में हिन्दू एकता बनाए रखना आवश्यक है, व्यक्ति कई जगहों पर धर्मांतरण की घटनाएं हो रही हैं। गणेश पूजा और दुर्गा पूजा के दैरान कुछ स्थानों पर हिन्दुओं पर हमले हुए हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर तरह-तरह के अत्याचार हो रहे हैं। हिन्दुओं पर लगातार हो रहे हमलों एवं उन्हें विभाजित किये जाने की सजिशों को नियन्त्रित करने के लिये हिन्दू को संगठित होना ही चाहिए। दत्तात्रेय ने जहां हिन्दुओं को जगाया वहीं राजनीतिक दलों की नींद उड़ा दी, विपक्ष विशेषतः कांग्रेस की हिन्दू विरोधी सोच का पर्दापाश किया।

श्री होसबोले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में हिन्दू समाज को जाति, भाषा एवं प्रांत के भेद में बांटने के विपक्षी दलों के

महासचिव जाति और उनके प्रयासों के लिए और लोक पर भी जोर के मंगल के संगठनों की भूमिका कुछ तन गई है। मथुरा स्थित गुरु ग्राम परखम के दीनदयाल उपाध्याय गौविज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र में आयोजित 25 और 26 अक्टूबर 2024 की इस बैठक में संघ के सभी 46 प्रांतों के प्रतं प्रतं संघ प्रांत संघचालक, कार्यवाह तथा प्रचारकों ने हिस्सा लिया। योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान एक रैली में हिंदुओं को जातियों में बांटने की विपक्षी दलों की रणनीति के प्रति आगाह करते हुए कहा था कि विपक्ष चाहता है कि मुसलमान एकजुट होकर ताकतवर और हिंदू जातियों में विभाजित होकर कमजोर बने रहें। योगी आदित्यनाथ ने पड़ोसी देश में मुसलमानों के हाथों बेगुनाह हिंदुओं के मारे जाने का चलाला देकर कहा था कि बंटेंगे तो कटेंगे। इस बयान की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की, हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अलग-अलग तरह से इस संदेश को आगे बढ़ाया है। इसी कड़ी में सरकारीवाह होसबाले हिन्दू एकता एवं संगठन की आवश्यकता व्यक्त की। सरकारीवाह होसबाले एक सक्रिय, साहसी, चिन्तनशील, राष्ट्रयोद्धा, समाजसुधारक और बदलाव लाने वाले संघ नेता हैं। वे देशहृषि में अच्छी रचनात्मक एवं सृजनात्मक बातें करते हैं, बदलाव चाहते हैं, राष्ट्र को तोड़ना नहीं जोड़ना चाहते हैं, अच्छी बात यह भी है कि संघ एक जागरूक संगठन है और हर समस्या पर अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। हर व्यक्ति के दिमाग में एक समस्या है और हर

काम आए। समाजान क अभाव म बढ़ता हुआ समस्या संक्रामक बीमारी का रूप न ले सके, इस दृष्टि से आज का समाधान आज प्रस्तुत करने के लिए ए आरएसएस निरन्तर जागरूक रहता है। इसीलिये हिन्दू एकता के लिये व्यापक प्रयत्नों की अपेक्षा है। बांगलादेश में हिन्दू समुदाय के लोगों की परेशानियों को लेकर भारत सरकार ने कदम उठाए हैं। तुनिया में कहीं भी किसी भी हिन्दू को अगर कोई परेशानी होती है तो वह मदद के लिए भारत की तरफ ही देखता है। देश एवं तुनिया में हिन्दुओं से जुड़ी परेशानियों एवं समाधान की दृष्टि से एक सशक्त वातावरण बनना अपेक्षित है। होसबाले ने ऐसी ही जटिल होती समस्याओं में लव जिहाद का मुद्दा भी उठाया और कहा कि लव जिहाद से समाज में समस्या हो रही है। उन्होंने कहा, 'लड़कियों को लव जिहाद के प्रति जागरूक करें। हमारे समाज की बहन-बेटियों को बचाना हमारा काम है।' उन्होंने दावा किया कि केरल में 200 लड़कियों को लव जिहाद से बचाया गया है। ध्यान रहे कि अभी राजधानी दिल्ली के नांगलोई इलाके में मुस्लिम लड़के सलीम ने खुद को संजू बताकर हिन्दू लड़की सोनिया को प्यार के जाल में फँसाया। सलीम ने सोनिया के साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसे गर्भवती कर दिया। सोनिया ने जब शादी दबाव बनाया तो सलीम ने दो दोस्तों के साथ उसकी हत्या कर दी और शब को हरियाणा में अपने ननिहाल के गांव में एक खेत में गाड़ दिया। निश्चित रूप से बैटेंगे तो कटेंगे कोई नारा नहीं बल्कि सदियों की सच्चाई है। जब-जब हिन्दू कमज़ोर हुआ है, तब तब उस पर अत्याचार बढ़े हैं, उनका सफाया कर दिया गया है। कशमीर में हिन्दुओं ने ताकत नहीं दिखाई तो हहू पजाब जनसंख्या के दो तीहाई थे, कानून म 1950 तक एक तीहाई हिन्दू-सिख थे, रंगून में एक तीहाई आबादी हिन्दुओं की थी, सभी जगहों पर आज हिन्दुओं-सिखों का सफाया हो गया। इसीलिये सरकार्यवाह हासबोले की दृष्टि में बंटने के प्रति सचेत करने का मतलब अनेकता में एकता का मंत्र है। हम जाति, वर्ग में भले अनेक हों, लेकिन इस आधार पर हम बटे नहीं बल्कि एकजुट रहें। बांगलादेश के संदर्भ में भारत सरकार ने वहां हिन्दुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आशवासन दिया है। संघ ने उस समय भी कहा था कि हिन्दू समुदाय को वहीं रहना चाहिए और पलायन नहीं करना चाहिए। संघ की नज़रों में धर्मात्मण और हिन्दुओं को विभाजित करने से हिन्दू जनसंख्या का संतुलन बिगड़ा है और वे अल्पसंख्यक होते गये हैं। इस मायने में होसबाले का उद्घोथन कई स्वप्न नहीं, जो कभी पूरा नहीं होता। यह तो हिन्दुओं को सशक्त एवं विकासित बनाने के लिए ताजी हवा की खिड़की है। यह सामाजिक समरसता का भी जीवनमंत्र है। संघ इस संवाद को कायम रखेगा क्योंकि समाज को तोड़ने के लिए बहुत सी कोशिशें हो रही हैं, विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों के लिये हिन्दू समुदाय को तोड़ने एवं विभाजित करने के लिये तरह-तरह के घड़यंत्र कर रहे हैं। एक बार फिर संघ ने राजनीति से परे जाकर देश को जोड़ने, सशक्त बनाने एवं नया भारत निर्मित करने का सन्देश दिया है और इस सन्देश को जिस तरह आकर दिया जाना है, उसका दिशा-निर्देश भी दिया गया है। आरएसएस महासचिव ने कहा, महात्मा गांधी ने भी स्वराज का मंत्र दिया था। 'स्व' का मतलब है 'स्वाधीनता', राष्ट्रीय स्वत्व।

गोवर्धन के दिन होती है गौ धन की पूजा

१०२ लक्ष्मण पर तिथों

गोवर्धन पूजा में गोधन यारी गायों की पूजा की जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि गाय उसी प्रकार पवित्र होती जैसे नदियों में गंगा। गाय को देवी लक्ष्मी का स्वरूप भी कहा गया है। देवी लक्ष्मी जिस प्रकार सुख समृद्धि प्रदान करती हैं उसी प्रकार गौ माता भी अपने दूध से स्वास्थ्य रूपधन प्रदान करती हैं। इनका बछड़ा खेतों में हल जोतकर अनाज उगाता है। इस तरह गौ सम्पूर्ण मानव जाती के लिए पूजनीय और आदरणीय है। गौ के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के लिए ही कर्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन गोवर्धन की पूजा की जाती है और इसके प्रतीक के रूप में गाय की दीपावली के दूसरे दिन सायंकाल गोवर्धन पूजा का विशेष आयोजन होता है। इस दिन प्रातः गाय के गोबर से लेटे हुए पुरुष वे रूप में गोवर्धन बनाया जाता है। अनेक स्थानों पर इसके मनुष्याकार बनाकर पुरुषों लताओं आदि से सजाया जाता है। इनकी नाभि के स्थान पर एक कटोरी या मिट्टी का दीपक रख दिया जाता है। फिर इसके दूध, दही, गंगाजल, शहद, बताशे आदि पूजा करते समय डाल दिए जाते हैं औ बाद में इसे प्रसाद के रूप में बांट देते हैं। शाम को गोवर्धन की पूजा की जाती है। पूजा में धूप, दीप, नैवेद्य, जल, फल, फूल खोल, बताशे आदि का प्रयोग किया जाता है। पूजा के बाद गोवर्धनजी की जय बोलते हुए उनकी सात परिक्रमाएं लगाई जाती हैं। परिक्रमा के समय एक व्यक्ति हाथ में जल का लोटा व अन्य जौ लेकर चलते हैं। जल के लोटे वाला व्यक्ति पानी की धारा गिराता हुआ तथा अन्य जौ बोते हुए परिक्रमा पूर्ण करते हैं। गोवर्धन पूजा हिन्दओं का एक



बलि पूजा, गोवर्धन पूजा होती हैं। इस दिन गाय-बैल आदि पशुओं को स्नान कराकर, फूल माला, धूप, चंदन आदि से उनका पूजन किया जाता है। गायों को मिठाई खिलाकर उनकी आरती उतारी जाती है। यह ब्रजवासियों का मुख्य त्योहार है। अन्नकूट या गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण के अवतार के बाद द्वापर युग से प्रारम्भ हुई। उस समय लोग इन्द्र भगवान की पूजा करते थे तथा छप्पन प्रकार के भोजन बनाकर तरह-तरह के पकवान व मिठाइयों का भोग लगाया जाता था। महाराष्ट्र में यह दिन बालि प्रतिपदा या बालि पड़वा के रूप में मनाया जाता है। भगवान विष्णु के एक अवतार वामन की राजा बलि पर विजय और बाद में राजा बलि को पाताल लोक भेजने के कारण इस दिन उनका पुण्य स्मरण किया जाता है। माना जाता है कि भगवान वामन द्वारा दिए गए वरदान के कारण असुर राजा बलि इस दिन पातल लोक से पृथ्वी लोक आता है। अधिकतर गोवर्धन पूजा का दिन गुजराती नव वर्ष के दिन के साथ मिल जाता है जो कि कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष के दौरान मनाया जाता है। गोवर्धन पूजा उत्सव गुजराती नव वर्ष के एक दिन पहले मनाया जा सकता है और यह प्रतिपदा तिथि

के प्रारम्भ होने के समय पर निर्भर करता है। गोवर्धन पूजा के सम्बन्ध में एक लोकगाथा प्रचलित है कि देवराज इन्द्र का अभिमान चूर करने हेतु भगवान श्री कृष्ण ने एक लौला रची। एक दिन उन्होंने देखा के सभी बृजवासी उत्तम पकवान बना रहे हैं और किसी पूजा की तैयारी में जुटे। श्री कृष्ण ने यशोदा मैया से प्रश्न किया कि आप लोग किन की पूजा की तैयारी कर रहे हैं। कृष्ण की बातें सुनकर यशोदा मैया बोली हम देवराज इन्द्र की पूजा के लिए अन्नकूट की तैयारी कर रहे हैं। मैया के ऐसा कहने पर श्री कृष्ण बोले मैया हम इन्द्र की पूजा क्यों करते हैं? यशोदा ने कहा वह वर्षा करते हैं जिससे अन्न की पैदावार होती है। उनसे हमारी गायों को चारा मिलता है। भगवान श्री कृष्ण बोले हमें तो गोवर्धन पर्वत की पूजा करनी चाहिए क्योंकि हमारी गाये तो वहीं चरती हैं। इस दृष्टि से गोवर्धन पर्वत ही पूजनीय है और इन्द्र तो कभी दर्शन भी नहीं देते व पूजा न करने पर क्रोधित भी होते हैं। अतः ऐसे अहकारी की पूजा नहीं करनी चाहिए। श्री कृष्ण के कहने पर सभी ने इन्द्र के बदले गोवर्धन पर्वत की पूजा की। देवराज इन्द्र ने इसे अपना अपमान समझा और मसलाधार वर्षा शरू कर दी।

पूरा गोवर्धन पर्वत उठा लिया और सभी बृजाशसियों को उसमें अपने गाय और बछड़े समेत शरण लेने के लिए बुलाया। इन्द्र कृष्ण की यह लीला देखकर और क्रोधित हुए फलतः वर्षा और तेज हो गयी। इन्द्र का मान मर्दन के लिए तब श्री कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से कहा कि आप पर्वत के ऊपर रहकर वर्षा की गति को नियन्त्रित करें और शेषनाग से कहा आप मेड़ बनाकर पानी को पर्वत की ओर आने से रोकें। इन्द्र

लगातार सात दिन तक मूसलाधार वर्षा करते रहे तब उन्हे एहसास हुआ कि उनका मुकाबला करने वाला कोई आम मनुष्य नहीं हो सकता।
अतः वे ब्रह्मा जी के पास पहुंचे और सब वृत्तान्त कह सुनाया। ब्रह्मा जी ने इन्द्र से कहा कि आप जिस कृष्ण की बात कर रहे हैं वह भगवान विष्णु के साक्षात् अंश हैं। ब्रह्मा जी के मुख से यह सुनकर इन्द्र अत्यंत लजित हुए और श्री कृष्ण से कहा कि प्रभु मैं आपको पहचान न सका। इसलिए अहंकारवश भूल कर बैठा। आप दयालु हैं और कपालु भी इसलिए मेरी भूल क्षमा करें। इसके पश्चात देवराज इन्द्र ने श्री कृष्ण की पूजा कर उन्हें भोग लगाया। सातवें दिन श्रीकृष्ण ने गोवधन को नीचे रखा और ब्रजवासियों से कहा अब तुम प्रतिवर्ष गोवर्धन पूजा कर अन्नकूट का पर्व मनाय करो। तभी से यह पर्व अन्नकूट के नाम से मनाया जाने लगा। इस पौराणिक घटना के बाद से ही गोवधन पूजा की जाने लगी। इस दिन देश के बहुत से प्रदेशों में लोग गोवधन पवत की पूजा करते हैं। गाय बैल को इस दिन स्नान कराकर उन्हें रंग लगाया जाता है। उनके गले में नई रस्सी डाली जाती है। गाय और बैलों को गुड़ और चावल मिलाकर खिलाया जाता है।

बीसीसीएल में मनाया गया कोल इंडिया लिमिटेड का 50वाँ स्थापना दिवस



धनबाद। 01 नवंबर 1975 को स्थापित देश की प्रतिष्ठित कोयला कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड के 50वें स्थापना दिवस के अवसर पर कल इंडिया मुख्यालय कोलकाता सहित सभी अनुषंगी कंपनियों विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर भारत कोइंग कोल इंडिया में आयोजित

समारोह के क्रम में सर्वप्रथम प्रातःकाल में अम्बेडकर चौक, कोयला नगर से शहीद स्मारक तक एक प्रभात फेरी निकाली गयी। निदेशक कार्मिक श्री मुल्तीकृष्ण रमेश, निदेशक वित्त श्री राकेश कुमार सहाय के साथ ही मुख्यालय में इंडिया कॉर्पोरेट का साथ ध्वजारोहण किया गया और सभी कर्मचारियों के तथा श्रमिक सगरन के प्रतिनिधियों ने शहीद

स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद कोयला भवन मुख्य द्वार पर वित्त श्रमिक प्रतिमा पर माल्यांपण के साथ पुष्पांजलि दी गयी। तत्पश्चात कोयला भवन मुख्यालय में प्रशासनिक भवन के समान के निदेशक कार्मिक द्वारा कोल इंडिया कॉर्पोरेट का साथ ध्वजारोहण किया गया और सभी के बीच मिलान वितरण किया गया। कोल इंडिया स्थापना

दिवस के विशेष अवसर पर प्रबंधन द्वारा केन्द्रीय अस्पताल धनबाद में मरीजों के बीच फलों का भी वितरण किया। इस दौरान निदेशक कार्मिक एवं निदेशक वित्त के साथ दीश महिला मंडल की उत्त्यक्ष श्रीमती निमिता सहाय, श्रीमती रंजना सिंह एवं श्रीमती नेहा दास के साथ ही अन्य सदस्य भी उपस्थित रहीं।

धनबाद, विधानसभा चुनाव 2024 के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 40 धनबाद विधानसभा के लिए नियुक्त सामान्य प्रेषक, उत्करम हरिभाल मुंहे ने शुक्रवार की सुबह वारेपुर एवं पांडपाला के मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने वारेपुर के बूथ संख्या 87, 88, 72 तथा 73 एवं पांडपाला के बूथ संख्या 51, 54 व 55 का निरीक्षण किया। साथ ही मतदाताओं से बातचीत भी की।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने बीएलओ को मतदान केंद्रों में पेयजल, शौचालय, रैप, बिजली सहित अच्युत एवं एस्योड मिनिम सॉलिलैटी सुनिश्चित करने तथा बेतर पोल डे मैजेमेंट की लाइनिंग करने का निर्देश दिया।

साथ ही वारेपुर व पांडपाला में शत प्रतिशत मतदान करवाने के लिए भी आवश्यक दिशानिदेश दिया।

धनबाद से तीन प्रत्याशियों ने लिया नामांकन वापस

धनबाद, विधानसभा चुनाव 2024



के लिए 1 नवंबर 2024, को तीन प्रत्याशियों ने अपना नाम वापस लेने की अंतिम तिथि है। नाम वापस लेने की अंतिम तिथि व समय के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में जिल निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त, माधवी मिश्रा ने मैदिया को बताया कि 42 टुंडी विधानसभा से दिनेश कुमार महाते एवं हरिमान नायक का तथा 41 झिरिया विधानसभा से मोहम्मद सद्दाम हुसैन ने अपना नाम वापस लिया है। उन्होंने बताया कि नाम वापस लेने की अंतिम तिथि के बाद 38 सिंदरी विधानसभा में 9, 39, 40 धनबाद से 18, 41 झिरिया कुमारी एवं 38 सिंदरी, 39 निरसा, 41 झिरिया एवं 43 बाधमारा दुंडी विधानसभा से 20 एवं 43 बाधमारा विधानसभा से 13 प्रत्याशी किया जाएगा। उपायुक्त ने मैदिया

को बताया कि निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण है। आदर्श आचार संविधान या अन्य किसी भी शिकायत को लेकर कोई भी मतदाता संपर्क करते हैं तो उन्होंने करने के लिए एक-एक सामान्य प्रेषक को देखा है। प्रकाश डालते हुए उपायुक्त ने कहा कि पहले चरण का प्रशिक्षण पूरा कर लिया गया है। 4 नवंबर से दूसरे

को बताया कि निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण है। आदर्श आचार संविधान या अन्य किसी भी शिकायत को लेकर कोई भी जनादर्दन ने राष्ट्र के मतदाताओं के प्रकाश डालते हुए प्रतिक्रिया दिया जाएगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव निर्जीक आएगा वैसे-वैसे सभी टीम ज्यादा सतर्क रहकर अपना कार्य करेंगी। पत्रकार वार्ता में वरीय पुलिस अधिकारी, हरीपंथ प्रभात एवं जनादर्दन के लिए एक-एक सामान्य प्रेषक एवं प्रकाश डालते हुए प्रतिक्रिया दिया जाएगा।

चरण का प्रशिक्षण श्री श्री लक्ष्मी नारायण ट्रस्ट महिला महाविद्यालय, पीके रोय मैमोरियल कॉलेज एवं गुरु नानक कॉलेज भूमि में शुरू किया जाएगा। इसी दौरान जिला राशासन ने सारी तैयारियां तथा चुनाव में उपयोग करने के लिए पर्याप्त वाहन की व्यवस्था कर ली है। पर्व लौहिह का देखते हुए पुलिस ट्रांसपोर्ट प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव निर्जीक आएगा वैसे-वैसे सभी टीम ज्यादा सतर्क रहकर अपना कार्य करेंगी। पत्रकार वार्ता में वरीय पुलिस अधिकारी, हरीपंथ प्रभात एवं जनादर्दन के लिए एक-एक सामान्य प्रेषक एवं प्रकाश डालते हुए प्रतिक्रिया दिया जाएगा।

चरण का प्रशिक्षण श्री श्री लक्ष्मी नारायण ट्रस्ट महिला महाविद्यालय, पीके रोय मैमोरियल कॉलेज एवं गुरु नानक कॉलेज भूमि में शुरू किया जाएगा। इसी दौरान जिला राशासन ने सारी तैयारियां तथा चुनाव में उपयोग करने के लिए पर्याप्त वाहन की व्यवस्था कर ली है। पर्व लौहिह का देखते हुए पुलिस ट्रांसपोर्ट प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव निर्जीक आएगा वैसे-वैसे सभी टीम ज्यादा सतर्क रहकर अपना कार्य करेंगी। पत्रकार वार्ता में वरीय पुलिस अधिकारी, हरीपंथ प्रभात एवं जनादर्दन के लिए एक-एक सामान्य प्रेषक एवं प्रकाश डालते हुए प्रतिक्रिया दिया जाएगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव निर्जीक आएगा वैसे-वैसे सभी टीम ज्यादा सतर्क रहकर अपना कार्य करेंगी। पत्रकार वार्ता में वरीय पुलिस अधिकारी, हरीपंथ प्रभात एवं जनादर्दन के लिए एक-एक सामान्य प्रेषक एवं प्रकाश डालते हुए प्रतिक्रिया दिया जाएगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव निर्जीक आएगा वैसे-वैसे सभी टीम ज्यादा सतर्क रहकर अपना कार्य करेंगी। पत्रकार वार्ता में वरीय पुलिस अधिकारी, हरीपंथ प्रभात एवं जनादर्दन के लिए एक-एक सामान्य प्रेषक एवं प्रकाश डालते हुए प्रतिक्रिया दिया जाएगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव निर्जीक आएगा वैसे-वैसे सभी टीम ज्यादा सतर्क रहकर अपना कार्य करेंगी। पत्रकार वार्ता में वरीय पुलिस अधिकारी, हरीपंथ प्रभात एवं जनादर्दन के लिए एक-एक सामान्य प्रेषक एवं प्रकाश डालते हुए प्रतिक्रिया दिया जाएगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव निर्जीक आएगा वैसे-वैसे सभी टीम ज्यादा सतर्क रहकर अपना कार्य करेंगी। पत्रकार वार्ता में वरीय पुलिस अधिकारी, हरीपंथ प्रभात एवं जनादर्दन के लिए एक-एक सामान्य प्रेषक एवं प्रकाश डालते हुए प्रतिक्रिया दिया जाएगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव निर्जीक आएगा वैसे-वैसे सभी टीम ज्यादा सतर्क रहकर अपना कार्य करेंगी। पत्रकार वार्ता में वरीय पुलिस अधिकारी, हरीपंथ प्रभात एवं जनादर्दन के लिए एक-एक सामान्य प्रेषक एवं प्रकाश डालते हुए प्रतिक्रिया दिया जाएगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव निर्जीक आएगा वैसे-वैसे सभी टीम ज्यादा सतर्क रहकर अपना कार्य करेंगी। पत्रकार वार्ता में वरीय पुलिस अधिकारी, हरीपंथ प्रभात एवं जनादर्दन के लिए एक-एक सामान्य प्रेषक एवं प्रकाश डालते हुए प्रतिक्रिया दिया जाएगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव निर्जीक आएगा वैसे-वैसे सभी टीम ज्यादा सतर्क रहकर अपना कार्य करेंगी। पत्रकार वार्ता में वरीय पुलिस अधिकारी, हरीपंथ प्रभात एवं जनादर्दन के लिए एक-एक सामान्य प्रेषक एवं प्रकाश डालते हुए प्रतिक्रिया दिया जाएगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव निर्जीक आएगा वैसे-वैसे सभी टीम ज्यादा सतर्क रहकर अपना कार्य करेंगी। पत्रकार वार्ता में वरीय पुलिस अधिकारी, हरीपंथ प्रभात एवं जनादर्दन के लिए एक-एक सामान्य प्रेषक एवं प्रकाश डालते हुए प्रतिक्रिया दिया जाएगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव निर्जीक आएगा वैसे-वैसे सभी टीम ज्यादा सतर्क रहकर अपना कार्य करेंगी। पत्रकार वार्ता में वरीय पुलिस अधिकारी, हरीपंथ प्रभात एवं जनादर्दन के लिए एक-एक सामान्य प्रेषक एवं प्रकाश डालते हुए प्रतिक्रिया दिया जाएगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव निर्जीक आएगा वैसे-वैसे सभी टीम ज्यादा सतर्क रहकर अपना कार्य करेंगी। पत्रकार वार्ता में वरीय पुलिस अधिकारी, हरीपंथ प्रभात एवं जनादर्दन के लिए एक-एक सामान्य प्रेषक एवं प्रकाश डालते हुए प्रतिक्रिया दिया जाएगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव निर्जीक आएगा वैसे-वैसे सभी टीम ज्यादा सतर्क रहकर अपना कार्य करेंगी। पत्रकार वार्ता में वरीय पुलिस अधिकारी, हरीपंथ प्रभात एवं जनादर्दन के लिए एक-एक सामान्य प्रेषक एवं प्रकाश डालते हुए प्रतिक्रिया दिया जाएगा।

साथ ही उन